दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

गणतंत्र दिन पर
Special Offer
समोसा ₹ ~~16/-~~ 10/- Per Pc.
जलेबी ₹ ~~540/-~~ 400/- Per Kg
पोहा चिवड़ा ₹ ~~360/-~~ 300/- Per Kg
खमण ₹ ~~320/-~~ 220/- Per Kg
Scheme Valid: 25th - 26th Jan 2022 *T&C Apply
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

वर्षः 12 - अंक : 06, मुंबई, बुधवार, 26 जनवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान ■ मूल्यः 1 रु.

महाराष्ट्र के पुणे में फैला 'जॉब फ्रॉड' का जाल

एक साल में कई युवाओं से लूट लिए

87 CRORE

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे शहर में आर्थिक अपराध काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। इन आर्थिक अपराधों में ढेर सारी साइबर क्राइम की घटनाएं सामने आई हैं। विदेशों में नौकरी दिलाने का लालच देकर कई लोगों को ठगने के मामले सामने आए हैं। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

विदेशों में नौकरी दिलाने का लालच देते हैं। फिर कुछ जरूरी कागजी कार्रवाइयों के लिए खर्चे के नाम पर ओटीपी मंगवाते हैं और बैंकों से पैसे निकालकर गायब हो जाते हैं। फिर इनसे संपर्क नहीं हो पाता है।

गिणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर...

महाराष्ट्र पुलिस के 51 कर्मी सेवा पदक से सम्मानित

संवाददाता

मुंबई। केंद्र ने मंगलवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर महाराष्ट्र पुलिस के 51 जवानों के लिए सेवा पदक की घोषणा की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिस अधिकारियों के नाम के साथ एक सूची जारी की है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में दर्दनाक हादसा

पुल से गिरी कार, विधायक के बेटे समेत सात मेडिकल स्टूडेंट्स की मौत

संवाददाता

वर्धा। महाराष्ट्र में मंगलवार की सुबह एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। एक पुल से कार के गिरने की वजह से 7 मेडिकल छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक सभी लोग दवेली से महाराष्ट्र के वर्धा जिले में जा रहे थे। इस हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और मृतकों के निकटतम परिजन को दो लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

शेयरों में गिरावट

कोरोना महामारी के समय भी जिस भारतीय शेयर बाजार को हम चढ़ते हुए देख रहे थे, क्या वह अब बुरे दौर से गुजरने लगा है? सोमवार को सप्ताह के पहले ही दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट ने तमाम संभावनाओं और आशंकाओं पर सोचने को मजबूर कर दिया है। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों में ढाई फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई है। सेंसेक्स 1545.67 अंकों का गोता लगाकर 57,491.51 के स्तर पर बंद हुआ है, जबकि निफ्टी 468.05 अंक गिरकर 17,149.10 पर पहुंच गया है। कुछ अचरज भी होता है कि देश का आम बजट आने वाला है और शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन गिरावट दर्ज हुई है। सोमवार को शेयर बाजार को करीब 10 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हुआ है। पिछले पांच दिन में सेंसेक्स करीब 3,900 अंक टूट चुका है। पांच दिन में निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। सिरमौर समझी जाने वाली चंद कंपनियों ने भी निराश किया है। गौर करने वाली बात है कि सोमवार को अर्थव्यवस्था के लगभग सभी सेक्टर्स में कमजोरी देखी जा सकती है, रियल एस्टेट, मेटल, मीडिया, आईटी और ऑटो में सबसे ज्यादा कमजोरी देखने को मिली है। बैंकों के शेयर भी दबाव में हैं और कुल मिलाकर आश्वस्त भाव से यह नहीं कहा जा सकता कि फलां कारोबारी सेक्टर अभी सही है। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं, जो अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। सब कुछ निराशाजनक नहीं है, लेकिन यह सोचने वाली बात है कि ऐन बजट से पहले शेयर बाजार को क्या होने लगा है? सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों, टीसीएस और इन्फोसिस को 1,09,498.10 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बजट सत्र से पहले ऐसे तनाव या गिरावट को व्यावसायिक रूप से बहुत अस्वाभाविक नहीं मानना चाहिए, लेकिन इस गिरावट की नैतिकता या वजह पर बहस जरूर हो सकती है। देश के आम बजट में लगभग सप्ताह भर का समय बचा है। ऐसे में, दो-तीन संभावनाओं पर हमें गौर करना चाहिए। जो बाजार कोरोना महामारी के समय भी तेजी से बढ़ रहा था, वह बिना किसी ठोस कारण के लुढ़क रहा है, तो क्या इसके पीछे बड़े निवेशकों की कोई रणनीति है? क्या बजट से ठीक पहले शेयर बाजार अपनी खुशनुमा स्थिति को छिपाकर किसी निराशा का प्रदर्शन करना चाहता है? क्या निवेशकों को बजट से कोई ऐसी उम्मीद है, जिसे पूरा करने की दिशा में वे सक्रिय हो गए हैं या उन्हें कोई प्रतिकूल सूचना मिल गई है? शायद भारत में जो लोग पूंजी के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं, वे बढ़ते अमीर व गरीब की सूची सामने आने के बाद सक्रिय हुए हैं। दुनिया भर में ऐसे अमीर भी हैं, जो आगे बढ़कर बोल रहे हैं कि जब दुनिया मुसीबत में है, तब उसकी बेहतरी के लिए हम पर टैक्स लगा लीजिए। कोरोना के मुश्किल समय में भी भारत में चालीस से ज्यादा नए अरबपति पैदा हो गए हैं। मुश्किल समय में भी शेयर बाजार में पूंजी बढ़ने की वजह सामने आ चुकी है। शायद चंद पूंजीपतियों को लग रहा होगा कि आगामी बजट में उनको मिल रही कुछ रियायत भी छिनेगी और वे कोई नया आर्थिक पैकेज लेने में नाकाम होंगे। ऐसे में, शेयर बाजार का तनाव में आना स्वाभाविक है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है कि छोटे निवेशकों का सावधान रहना।

मोदी के सुभाष बोस न की सावरकर!

उफ! संघ परिवार और उसके हिंदू। कैसे मनुष्य! ये धारे हुए हैं सावरकर को और मूर्तियां लगा रहे हैं सरदार पटेल व सुभाष चंद्र बोस जैसे कांग्रेस अध्यक्षों की! कैसे हिंदू हैं, जो सोचते कुछ हैं और करते कुछ हैं। अमित शाह अपने घर के ड्रांइग रूम में सावरकर की तस्वीर लगाए हुए हैं न की सुभाष बोस की। लेकिन इंडिया गेट पर बोस की मूर्ति के अनावरण पर तालियां बजाते हैं। सोचते होंगे मोदीजी का पॉपुलिस्ट पैंतरा यूपी में वोट डलवाएगा। सोचें, संघ परिवार का दिन-रात सेकुलरों के खिलाफ प्रलाप और ठीक विपरीत घोर सेकुलरवादी, लेफ्टिस्ट सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति इंडिया गेट की उस जगह पर, जिसे लेकर पचास-साठ साल से बहस थी कि वहां गांधी की मूर्ति लगनी चाहिए या नहीं? उस नाते भले संघ परिवार का हिंदू सोचे कि गांधी की जगह सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का फैसला मास्टरस्ट्रोक! आखिर इंडिया गेट और वहां का सैनिक स्मारक आधुनिक भारत राष्ट्र-राज्य, उसकी आत्मा की लौ का स्थान है। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों का नमन केंद्र है। अब आगे हर पर्व के दिन राष्ट्र गांधी की नहीं, बल्कि सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को नमन करते हुए होगा! नरेंद्र मोदी ने प्रतिमा अनावरण के वक्त यह जो तर्क दिया है वह सामान्य नहीं कि आजादी के बाद महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम हुआ और अब डंके की चोट गलतियों को सुधारा जा रहा है। जाहिर है इंडिया गेट पर गांधी की जगह सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाना योगदान का नया बैलेंस बनाने का फूहड़पना है। क्यों? पहली बात सुभाष चंद्र बोस को देश ने वीर सावरकर की तरह डंप, हाशिए में नहीं डाला हुआ था। सरदार पटेल और सुभाष चंद्र बोस दोनों लोगों के दिल-दिमाग में मिटे हुए नहीं थे। ये दोनों उतना ही मान पाए हुए थे जो कांग्रेस और उसके नेताओं के योगदान के क्रम में था। गांधी नंबर एक पर, नेहरू नंबर दो, सरदार पटेल नंबर तीन और नंबर चार पर सुभाष चंद्र बोस देश की आजादी की लड़ाई की कहानियों, पुराण, इतिहास और लोकमान्यता में स्थापित थे और हैं व रहेंगे। बेतुकी बात है और यह कभी नहीं होगा कि कांग्रेस व देश के इतिहास में गांधी की बजाय सुभाष चंद्र बोस या नेहरू की जगह सरदार पटेल ऊपर-नीचे हों। चारों मूर्तियों का अपना स्थान व मान है तो वह कांग्रेस के कारण और इतिहास के सत्य से है। तब भला नरेंद्र मोदी और संघ परिवार क्यों इतिहास और मूर्तियों के मान-सम्मान को ऊपर नीचे करने की जुगत में हैं? इसके बजाय वह क्यों अपनी मूर्तियों मसलन सावरकर, डॉ. हेडगेवार, गुरू गोलवलकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी या हिंदू राजनीतिक दर्शन के पूर्वज चाणक्य की मूर्तियां स्थापित नहीं कर रहा है? सोचें कि संघ परिवार, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मोहन भागवत के लिए प्रातःस्मरणीय चाणक्य, वीर सावरकर हैं या गांधी व सुभाष चंद्र बोस? राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के पदाधिकारियों, प्रचारकों, स्वंयसेवक हिंदुओं की परम पूजनीय मूर्तियों में, इनके कार्यालयों में रखी किताबों में, इनके बौद्धिक प्रमुखों, विचारकों-लेखकों-स्तंभकारों के दिल-दिमाग को गांधी-बोस की मूर्तियों, किताबों और उनके धर्मनिरपेक्ष व्यवहार से प्रेरित किया हुआ है या सावरकर, गुरू गोलवरकर के विचारों ने? तब यह सब क्यों?जवाब में समझ आएगा कि संघ परिवार दोहरा जीवन जीते हुए हैं। कथनी क्या और करनी अलग! इसलिए सात साल के मोदी राज का सत्व-तत्व है कि भाजपा अपने आपको कांग्रेस में बदलने के मिशन मोड में काम करते हुए है। कांग्रेस के खिलाफ सात साल के प्रोपेगेंडा में भाजपा जहां गांधी-नेहरू परिवार का खूंटा खत्म करने की हरसंभव कोशिश में हैं वही खुद अपने आपको कांग्रेस में बदलती हुई है। इसलिए क्योंकि कांग्रेस मोटा-मोटी हिंदुओं के जीने का सहज प्रतिनिधि स्वभाव है। तभी मोदी-अमित शाह हेमंता बिस्वा से अमरेंदर सिंह आदि असंख्य कांग्रेसियों के सहारे भिन्नताओं के झंझट का रास्ता तलाशे हुए हैं। ये माने हुए हैं कि कांग्रेस बन कर और उसकी गांधी-पटेल से सुभाष चंद्र बोस की विरासत पर कब्जा करके राजनीति को टिकाऊ बनाना आसान होगा। दशकों की उन कुंठाओं और बदनामी से बाहर निकला जा सकेगा, जिसमें संघ परिवार जीता आया है। नोट रखें नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत से ले कर संघ परिवार का हर हिंदू इस कुंठा और भय में जीता हुआ होगा कि हमने यदि अपने प्रणेता सावरकर की मूर्ति लगाई तो बदनाम होंगे। मन की भीरूता के हिंदू चरित्र का यह वह संकट है, जिसके चलते सात साल की हिंदूशाही में सावरकर, गुरू गोलवलकर आदि किसी भी संघ प्रणेता की नई दिल्ली में मूर्ति का साहस नहीं हुआ!

अपना मानना है सदियों की गुलामी ने हिंदू चरित्र को ऐसा भयाकुल बनाया है कि राजा हो या रंक हर व्यक्ति सत्य से मुंह चुराता है। तभी संघ परिवार और नरेंद्र मोदी, अमित शाह में हिम्मत नहीं जो वे सपने में ख्याल बनाएं कि 75 वर्षों में यदि महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम हुआ तो उसकी नंबर एक मिसाल सावरकर हैं। जैसे संघ परिवार, नरेंद्र मोदी और अमित शाह दशकों खलनायक और अछूत माने गए तो वैसे ही हिंदू, हिंदुत्व राजनीति के प्रणेता सावरकर भी अछूत रहे। मैं सावरकर और सुभाष चंद्र बोस की तुलना नहीं कर रहा हूं। दोनों के प्रति मेरे मन में सम्मान के भाव का मूल आधार इनके निर्भयी-साहसी जीवन का है। बतौर नस्ल हिंदुओं की दुर्दशा, गुलामी और तमाम तरह की दुर्बलताओं का जड़ कारण मैं, क्योंकि भयाकुलता का समझता हूं तो इसलिए सुभाष चंद्र बोस और सावरकर दोनों साहस व निर्भयता के महानायक। लेकिन सुभाष चंद्र बोस से अधिक सावरकर की वीरता इसलिए भारी है क्योंकि बोस ने समझ की दुर्बलता में हिटलर की संगत बनाई थी। भारत के हम लोगों को अनुमान नहीं है कि मानवता के इतिहास के दुसरे महायुद्ध में हिटलर के नात्सी विचार की कैसी वैश्विक भर्त्सना है। हिटलर और सुभाष चंद्र बोस का संग और उनके फोटो भी कारण थे, जिनके चलते पंडित नेहरू या आजाद भारत उनको ले कर संकोच में रहा। प्रधानमंत्री मोदी और उनके सलाहकार अभी नहीं बूझ रहे हैं कि इजराइल-यूरोप-अमेरिका आदि के राष्ट्र नेता दिल्ली आएंगे तो इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर कैसे सकुचाएंगे। इतिहास का सत्य याकि हिटलर-सुभाष चंद्र बोस की तस्वीरें, उनका संग मिट नहीं सकता है। तभी असंभव है जो कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भारत सरकार जर्मनी, यूरोप में सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगवाना चाहें तो वहां उसे माना जाए। ऐसा कोई कलंक सावरकर के वीर व्यक्तित्व में नहीं है। सरकार उनकी मूर्ति फ्रांस या लंदन में लगवाना चाहे तो वहां एलर्जी नहीं दिखेगी लेकिन सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति के साथ क्योंकि हिटलर से रिश्ते का सत्य है तो वह इंडिया गेट पर मूर्ति लगने से मिट नहीं सकता। न ही यह सत्य मिटेगा कि सुभाष चंद्र बोस लेफ्टिस्ट, सेकुलर थे और सांप्रदायिक राजनीति के घोर विरोधी! तब हिंदू राजनीति के बूते वोट पकाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए क्यों सुभाष चंद्र बोस ऐसे पूजनीय हुए? जवाब एक ही है और पोपुलिस्ट राजनीति का है। जो लोगों को रूचे, जो लोगों के दिमाग में जादू बनाए, जिससे लोग दिवाने हों वह नरेंद्र मोदी की राजनीति का ब्रह्म मंत्र है। उन्हें आज वोट चाहिए, उन्हें यूपी जीतना है, 2024 जीतना है तो चौबीसों घंटे हिंदू कैसे पटे रहें इसका जादू-टोना बनाना है। हिंदू चरित्र इतिहास और भविष्य की नहीं सोचता है, बल्कि वह आज, वर्तमान को जीने की लोक आस्था की हवा में जीता है। हवा माफिक कभी संतोषी माता की हवा में, कभी साईबाबा की और कभी गांधी और कभी सुभाष चंद्र बोस की किंवदतियों में तो संघ परिवार और नरेंद्र मोदी के लिए यह आसान है कि जो बने बनाए लोकमान्य चेहरे हैं, मूर्तियां हैं उन्हीं का टेकओवर करके उनका नया मंदिर बना दें। रामजी का मंदिर बनाएं या सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति स्थापित हो, यह इसलिए पॉपुलिस्ट राजनीति में सटीक है क्योंकि लोक विश्वास में चेहरे पहले से ही स्थापित हैं। सोचें, यदि मोदी-शाह इंडिया गेट पर सावरकर की मूर्ति लगाते तो उनकी लोक मान्यता बनवाने के लिए उन्हें कितने पापड़ बेलने पड़ते। और इतना साहस और ऐसी प्रतिबद्धता यदि हिंदू चरित्र में होती तो हिंदुओं की वह दुर्दशा ही नहीं होती जैसी है!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र के पुणे में फैला 'जॉब फ्रॉड' का जाल

कई युवाओं ने अपने घर की पूरी पूंजी लगा दी और बाद में उन्हें पता चला कि वे ठग लिए गए हैं। पुणे शहर के साइबर क्राइम सेल ने सिटी में 'जॉब फ्रॉड' का जाल तैयार होने की जानकारी दी है। पिछले साल साइबर क्राइम से जुड़े 826 शिकायतें आईं। इन शिकायतों में कई लोगों से करीब 87 करोड़ रुपए ठगे जाने की जानकारियां मिली हैं। इन मामलों में कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। साइबर क्राइम से जुड़े इस 'जॉब फ्रॉड' का जाल बिछाने वाले लोग विदेशों में नौकरी पाने की लालसा रखने वालों की जानकारी बटोरते हैं। उन्हें विदेशों में नौकरी दिलाने का लालच देते हैं। फिर कुछ जरूरी कागजी कार्रवाइयों के लिए खर्चे के नाम पर ओटीपी मंगवाते हैं और बैंकों से पैसे निकालकर गायब हो जाते हैं। फिर इनसे संपर्क नहीं हो पाता है। विदेशों में मोटी कमाई वाली नौकरी दिलाने के नाम पर कई महिलाओं को भी ठगा गया है। मेट्रोमोनियल साइट के माध्यम से शादी करने का प्रस्ताव देकर भी ठगी के कई मामले सामने आए हैं। इन अलग-अलग तरीकों से साइबर क्राइम द्वारा कई युवाओं को ठगने की शिकायतें पुणे शहर पुलिस के साइबर क्राइम सेल के सामने आई हैं। साइबर क्राइम सेल द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक पिछले साल ऐसी करीब आठ सौ छब्बीस शिकायतें सामने आईं। साल भर में ऐसे कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए। कुछ लोगों को अरेस्ट भी किया गया। इस तरह की ठगी में लिप्त कई लोगों की पुलिस तलाश भी कर रही है। इन साइबर ठगों के चक्कर में सिर्फ युवा लोग ही नहीं फंसे हैं। कई उम्रदराज और तजुबेकार लोग भी ठगे जा चुके हैं। लेकिन विदेश जाने के लालच में ज्यादातर युवा लोग फंसते हैं।

गिणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर महाराष्ट्र पुलिस के 51 कर्मी सेवा पदक से सम्मानित

वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक सहायक पुलिस उप-निरीक्षक गोपाल मनीराम उसेंडी, उप-निरीक्षक भरत चिंतामन नागरे, कांस्टेबल महेंद्र गानू कुलेती, संजय गणपति बकमवार, दिवाकर केसरी नरोटे, नीलेश्वर देवजी पाड़ा और संतोष विजय पोटवी को प्रदान किया जा रहा है, जिन्होंने गढ़चिरौली जिले में नक्सल निरोधी अभियान में भाग लिया था। सूची के अनुसार नागरिक अधिकार संरक्षण विभाग में पदस्थापित अपर पुलिस महानिदेशक विनय करगांवकर को विशिष्ट सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया जा रहा है। बताया गया कि एसआरपीएफ कमांडेंट प्रल्हाद खाड़े, निरीक्षक चंद्रकांत गुंडगे और उप निरीक्षक अनवर बेग मिर्जा को विशिष्ट सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया जा रहा है। विशेष पुलिस महानिरीक्षक राजेश प्रधान, मीरा भयंदर पुलिस के एसीपी चंद्रकांत जाधव, वायरलेस विभाग पुणे के डीएसपी सीताराम जाधव, एसीबी, परभणी में तैनात डीएसपी भरत हुंबे, लातूर पुलिस के निरीक्षक भरत लवांडे, नवी मुंबई पुलिस के निरीक्षक अजयकुमार लांडगे और मुंबई पुलिस के जितेंद्र मिसल उन 40 अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें मेधावी सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में दर्दनाक हादसा

घायलों को 50 हजार का मुआवजा दिया जाएगा। वर्धा के एसपी प्रशांत होल्कर ने बताया कि इस भीषण हादसे में 7 मेडिकल छात्रों की मौत हो गई है। हादसे में बीजेपी विधायक आविष्कार रहंगदले के बेटे की भी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि सेलसुरा के पास रात करीब साढ़े 11 बजे कार अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गई। मरने वाले छात्रों के नाम नीरज चौहान, आविष्कार रहंगदले, नितेश सिंह, विवेक नंदन, प्रत्यूष सिंह, शुभम जैसवाल और पवन शक्ति है। आविष्कार रहंगदले बीजेपी विधायक विजय रहंगदले के बेटे थे। यह दर्दनाक हादसा बीती रात 11:30 बजे के आसपास हुआ है।

सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन

आजादी की ध्वजा फहरती
सूरज चमक रहा प्रगति का
भारतभू के पराक्रम को
अभिवादन है महाराष्ट्र का...

आजादी का अमृत महोत्सव

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ!

श्री. उद्धव बाळासाहेब ठाकरे
मा. मुख्यमंत्री

श्री. अजित पवार
मा. उप मुख्यमंत्री

श्री. बाळासाहेब थोरात
मा. मंत्री, राजस्व

सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार

DGIPR/2021-22/ C 3920

प्रजासत्ताक दिन विशेष
निःशुल्क निःशुल्क निःशुल्क
DABUR INDIA LIMITED
व्दारा आयोजित
सांध्याच्या आजारांसाठी मोफत चिकित्सा शिबीर
* Free BMD Check up
* Free Consultation
* 10% Discount on Medicines
* 10 % Free on panchakarm
बुधवार दिनांक २६/०१/२०२२ रोजी सकाळी १० ते सायं ६ पर्यंत
स्थळ : आयुश्री आयुर्वेद पॉलिक्लिनिक व पंचकर्म केंद्र
अधिक माहिती करिता संपर्क
शॉप नं. १-२, श्रीयश बिल्डींग, पंडित मल्हारराव कुलकर्णी रोड, लिंक व्हु हॉटेलच्या मागे, बोरीवली (प), मुंबई - ४०००१२.
Contact.: 022-35989242 • Mob. 7021 272 264

बोरीवली पश्चिम मे वात रोग के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

मुंबई। दिनाक 26 जनवरी को आयुश्री आयुर्वेद पॉलिकलिनिक व पंच क्रम केंद्र के तत्वावधान वात रोग, संधिवाद रोगों के लिए मुफ्त शिविर का आयोजन शॉप नं, १-२ श्रीयस बिल्डिंग पंडित मल्हारराव कुलकर्णी रोड, लिंक वह होटल से आगे बोरीवली पश्चिम, सुबह १० से शाम ६ बजे तक रखा गया है।

मुंबई में कारवां द्वारा अल मरजोउक के स्पॉन्सर से मेकअप स्पर्धा हुआ

10 प्रतियोगिता में से तीन विजेता बने

संवाददाता/शोएब म्यानुंर

मुंबई। मुंबई के नाखुदा मोहल्ला कोलसा मोहल्ला जमातखाना में कारवां की तसमीम खान द्वारा आयोजित किया गया। मेकअप स्पर्धा के स्पोंसर थे अल मरजोउक के मुनज्जा शेख और महेक शेख, मेकअप स्पर्धा के चिफ गेस्ट थे मिसबा सुर्या, आफरिन अबाजुमा, दानिश शेख, राजा वसी शेख, जजिस्ट के तौर पर अल सबा मंसुरी, उजमा अत्तर वाला, और उजमा सिद्दीकी रहे। कुल 10 मेकअप आर्टिस्ट ने अपने अपने मोड़ल के साथ हिस्सा लिया था।01, मेकअप आर्टिस्ट, मिदहत खान मोड़ल सफिया गोयल, 02. मेकअप आर्टिस्ट, सबा तन्वर मोड़ल मरियम कुरेशी, 03. मेकअप आर्टिस्ट, अक्शा शेख मोड़ल आयशा शेख, 04. मेकअप आर्टिस्ट, सिद्दीकी अक्शा मोड़ल माहि शेख, 05. मेकअप आर्टिस्ट, नेहा पटेल मोड़ल सहेर शेख, 06. मेकअप आर्टिस्ट, मिजना टोले मोड़ल मदिहा टोले, 07. मेकअप आर्टिस्ट, फेमिदा खान मोड़ल इशिका मेकर, 08. मेकअप आर्टिस्ट, फरहाना घोरे मोड़ल साइमा मेमन, 09. मेकअप आर्टिस्ट, मुस्कान डबिर मोड़ल आफरिन शेख, 10. मेकअप आर्टिस्ट, समिना मेमन मोड़ल अल्फिया शेख, इन दस प्रतियोगिता में से तीन मेकअप आर्टिस्ट को बेस्ट ऑफ टेन में से पहेला, दुसरा, और तीसरा स्थान दिया गया।जजिस्ट अल सबा मंसुरी, उजमा अत्तर वाला, और उजमा सिद्दीकी, रजा वासी शेख, मिसबा सुर्या, आफरिन अबाजुमा, के लिए काफी चुनौती भरा माहोल बन गया था की विजेता किसे घोषित करें सभी पार्टिसिपेंट्स ने बहोत ही अच्छा परफार्मंस किए थे जिसके चलते जजिस्ट को निर्णय लेने में दिक्कत रही बाद में काफी महत्वपूर्ण निर्णायक लेते हुए तीन पार्टिसिपेंट्स को विजेता घोषित किया गया जिनमें मेकअप आर्टिस्ट, मिदहत खान मोड़ल सफिया गोयल साथ ब्राईडल मेकअप में 3 नंबर की विजेता रही। मेकअप आर्टिस्ट, सबा तन्वर मोड़ल मरियम कुरेशी के साथ पाकिस्तानी मेकअप में 2 नंबर की विजेता।

पानी पुरवठा विभाग की अधिकारी की लापरवाही से रोज बह रहा है हजारों लीटर सड़कों पर पानी: समाज सेवक नितिन मोरे

संवाददाता/समद खान

मुंबा। अमृत नगर दरगाह परिसर से सटा हुआ इलाका अंबेडकर नगर में रोज सड़कों पर हजारों लीटर पानी बहता हुआ नजर आता है इस मामले में स्थानीय समाज सेवक नितिन मोरे द्वारा मिली जानकारी के अनुसार यह बताया जा रहा है कि जैसे ही पानी पुरवठा विभाग से पानी का वॉल खुला जाता है उसी वक्त से पानी की पाइप लाइन टूटी होने की वजह से हजारों लीटर सड़कों पर पानी बहना शुरू हो जाता है इस मामले की शिकायत पिछले कई वर्ष से पानी पुरवठा विभाग में की गई थी इस मामले की जांच करने अधिकारी भी आए थे लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं निकल पाया है आज 3 साल हो गए हैं अभी तक समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है मनपा प्रशासन के मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त सागर सालूंके और बांधकाम विभाग के कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी यह सभी अधिकारी द्वारा दौरा भी किया गया था फिर भी आज तक हालात ऐसे ही हैं जैसा ही पानी पुरवठा विभाग द्वारा पानी का वॉल खोला जाता है और वैसे ही सड़कों पर पानी बहना शुरू हो जाता है और पानी तब तक बहता रहता है सड़कों पर जब तक पानी पुरवठा विभाग से बंद नहीं किया जाता तकरीबन 2 से 3 घंटा रोज पानी सड़कों पर बहता हुआ नजर आता है जिससे हजारों रुपए का नुकसान प्रतिदिन पानी पुरवठा विभाग को होता है फिर भी इस समस्या का समाधान नहीं निकाला जा रहा है अधिकारी रोज टालम टोली करते हैं फाइल बनाया है भेजा है इस तरह का आश्वासन देते हैं लेकिन काम कोई नहीं करता इसमें उन्होंने यह भी बताया था कि टोरेंट पावर का केबल डालने की खुदाई का काम भी चालू था लेकिन अभी तक यह पता नहीं लगाया जा सका है कि आखिर कहां से पानी की पाइप लाइन टूटी हुई है रोज शाम के वक्त सड़कों पर पानी हजारों लीटर बहता हुआ नजर आता है जिस कारण सड़कों पर कीचड़ हो जाता है और जलजमाव होने से मच्छरों की तादाद बढ़ जाती है और बीमारी का डर भी उत्पन्न होता है और वैसे भी हालात ठीक नहीं चल रहे हैं तो हम पानी पुरवठा विभाग के अधिकारी से निवेदन करते हैं कि कृपया बारीकी से जांच की जाए कि आखिर पानी की लाइन कहां से टूटी हुई है और इसकी मरम्मत कराकर स्थानीय रहवासियों को जो रोज सड़कों पर पानी बह रहा है उस समस्या का समाधान हो जाए और सड़कों पर हजारों लीटर पानी बहने से जो पानी पुरवठा विभाग का नुकसान हो रहा है वह नुकसान से भी पानी पुरवठा विभाग बच जाए।

● नेहरू युवा केंद्र मुंबई युवा मामलों और खेल मंत्रालय भारत सरकार 24 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय बालिका दिवस पर उत्कृष्ट के लिए फेलिसिटेशन किया गया था। मुंबई से अधीवर गर्ल चाइल्ड मुख्य अतिथि माननीय पी के खाद राज्य निदेशक nyks महाराष्ट्र थे और गोवा कार्यक्रम प्रभारी यशवंत मनखेड़कर उप निदेशक nyks मुंबई मनीषा टेमकर और कई गैर सरकारी संगठन के प्रतिभागियों उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर डिजिटल विजय संपर्क की शुरूआत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर डिजिटल विजय संपर्क अभियान की शुरूआत प्रयागराज से भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रांत सह - संयोजक रजनीकांत ने शुरू की इस अवसर पर रजनीकान्त ने कहा कि मतदाता दिवस के उपलक्ष में एनजीओ प्रकोष्ठ काशी प्रान्त के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में आज से डिजिटल विजय संपर्क अभियान की शुरूआत कर रहा हैं। भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रांत सह संयोजक रजनीकांत ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि इस संपर्क अभियान के दौरान एनजीओं प्रकोष्ठ के कार्यकर्त्ता एक डिजिटल फॉर्म घर घर जाकर भरवाएंगे साथ ही साथ उन्हें प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों की भी जानकारी देंगे साथ ही आम जन मानस से निवेदन करेंगे कि लोकतंत्र के इस महापर्व में आप मतदान अवश्य करें। रजनीकान्त ने कहा कि एनजीओ प्रकोष्ठ काशी - प्रांत के 69 विधानसभा क्षेत्रों के 10 लाख घरों तक दस्तक देगा और उनसे सीधे संवाद करने का प्रयास करेगा।

AL HOOKAH
SHEESHA & FLAVOUR
Hookah Pot Starting Rs.499
All Flavours Rs.99
All Types of Hookah Flavours & Accessories Available
FREE HOME DELIVERY
Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

थाने मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा किया जा रहा है गरीब हॉकरो पर अत्याचार: एआईएमआईएम के ट्रेजर जावेद सिद्दीकी

एआईएमआईएम के कलवा विधानसभा ट्रेजर जावेद सिद्दीकी — तहस-नहस किए गए ठेले

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। लगातार चार दिनों से ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त सागर सालूंके के नेतृत्व में उनके आदेश पर गरीब होकरो पर तोडू कार्रवाई का सिलसिला धड़ल्ले से जारी है यह तोडू कार्रवाई पूरे पुलिस दल के साथ अमृत नगर परिसर से लेकर कौसा आईडियल मार्केट तक की जा रही है मनपा प्रशासन की इस तोडू कार्रवाई से एआईएमआईएम के कलवा विधानसभा के ट्रेजर जावेद सिद्दीकी ने सत्ताधारी पार्टी के ऊपर निशाना साधते हुए कहा की करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी गरीब होकरो को हॉकर्स जोन बनाकर क्यों नहीं दिया जा रहा है और इस कार्यवाही में सड़कों पर छोटा-मोटा व्यवसाय करने वाले फल फ्रूट भाजी तरकारी का ठेला लगाने वाले और अन्य कई व्यवसाय किए जा रहे थे उन लोगों के सामानों की जब्ती कर ठेलों को तहस-नहस कर डाला जबकि कानून अनुसार देखा जाए तो सड़कों पर जो भी छोटा-मोटा व्यवसाय करने वाले हैं अगर मनपा प्रशासन की कार्रवाई की चपेट में आ जाते हैं उन गरीब लोगों पर मनपा प्रशासन दंड मारे ना की उनके ठेलों को तोड़ डाले यह कहां का कानून है यह तो सरासर मुंब्रा प्रभाग समिति का गरीब होकर पर अत्याचार है जबकि सड़क पर ठेला लगाने वाले और जो भी छोटा-मोटा व्यवसाय करने वाले हैं वह 20 रुपए बतौर टैक्स मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा रोज वसूला जाता है उस पर भी मनपा प्रशासन तोडू कार्रवाई कर देती है कोरोना काल का समय चल रहा है यह गरीब हॉकर्स किस तरह से पैसा झूठा कर छोटा-मोटा व्यवसाय करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं आज मनपा प्रशासन की कार्रवाई से गरीब होकर बेरोजगार हो गए हैं एक तो वैसे ही पूरे देश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है और उस पर मनपा प्रशासन का अत्याचार आखिर क्यों मनपा प्रशासन हॉकर्स वालों को हॉकर्स जोन बनाकर क्यों नहीं देती उनके व्यवसाय करने का पर्याय क्यों नहीं निकलती आखिर कब तक ट्राफिक समस्या बताकर मनपा प्रशासन गरीब होकर पर कब तक तोडू कार्रवाई करती रहेगी आज जो मनपा प्रशासन द्वारा गरीबों होकर के तोड़े गए ठेले उनके माल की नुकसान की भरपाई कौन करेगा हम मनपा आयुक्त विपिन शर्मा से निवेदन करते हैं मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा की जा रही तोडू कार्रवाई को बंद करें और गरीब होकरो को हॉकर्स जोन बनाकर दे।

राजस्थान में भी हटना चाहिए वीकेंड कर्फ्यू: दिल्ली में अब नहीं रहेगा वीकेंड कर्फ्यू

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू हटाने की सिफारिश उपराज्यपाल को कर दी है। अन्य राज्य भी पाबंदियों को हटा रहे हैं। सभी राज्य कोरोना संक्रमण की स्थिति का अध्ययन कर आम लोगों को राहत दे रहे हैं। हालांकि पूरे देश में अभी कोरोना संक्रमण के केस आ रहे हैं, लेकिन तीसरी लहर में संक्रमित व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती नहीं होना पड़ रहा है। यानी संक्रमित व्यक्ति अपने घर पर ही क्वारंटाइन होकर स्वस्थ हो रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह वैक्सीनेशन के कारण है। देश में वैक्सीन की 150 करोड़ डोज लग चुकी है। इस स्थिति को देखे हुए राज्यों के मुख्यमंत्री पाबंदियों को हटा रहे हैं। राजस्थान में भी 20 जनवरी को ग्रामीण क्षेत्रों से वीकेंड कर्फ्यू समाप्त कर दिया गया तथा विवाह समारोह में भी मेहमानों की संख्या 50 से बढ़ाकर 100 कर दी गई है। लेकिन अभी शहरी क्षेत्रों में रविवार के दिन कर्फ्यू को लागू रखा गया है। सरकार ने रविवार के कर्फ्यू में भी फल-सब्जी से लेकर पेट्रोल पंप तक को छूट दे रखी है। यानी कर्फ्यू के नाम पर सिर्फ बाजार बंद रखे जा रहे हैं, इससे छोटे कारोबारियों को भारी परेशानी हो रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि पाबंदियों का खामियाजा सिर्फ शहरी क्षेत्र के दुकानदार ही उठा रहे हैं। रविवार को बाजार बंद रखने से संक्रमण नियंत्रण का कोई मकसद भी पूरा नहीं हो रहा है। जब कर्फ्यू के दौरान आवागमन है तो फिर बाजार बंद क्यों करवाए जा रहे हैं? रविवार के दिन बाजार बंद होने से दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। इन दिनों शादी-ब्याह का सीजन चल रहा है, ऐसे में बाजारों में खरीददारी बढ़ी हुई है। प्रदेश के लाखों दुकानदार चाहते हैं कि रविवार को का कर्फ्यू तुरंत प्रभाव से समाप्त किया जाए। दुकानदारों का कहना है कि जब ट्रेन और रोडवेज की बसें क्षमता के अनुरूप चल रही है, तब सिर्फ दुकानों को बंद रखने का कोई मतलब नहीं है। कोरोना काल में व्यापारियों के सामने पहले ही अनेक समस्याएं हैं। ऐसे में रविवार के दिन बाजार बंद होने से परेशानियां और बढ़ रही हैं। दिल्ली की तरह राजस्थान में भी वीकेंड कर्फ्यू को समाप्त करना चाहिये।

MISSING

! Lapata Lapata Lapata !

Name : Farhan Raza Khan Urf Lala Age : 27
Father : Istiyak Ahmed Khan

ADDRESS

BABA STEEL WALI CHWAL LBS MARG NEAR LIONS KURLA GARDEN WEST MUMBAI 70
CONTACT : 9920112726 / 9930306216

NOTE

24/01/2022 / 12 Pm Se Lapata Hai Agr kisi Bhai ko ye Ladka kahi Dikhe To Diye Gaye Number Per Contact Karke Jarur Bataye Aur Is Msg Ko Jayada se Jayada Share Kare

कुर्ला पुलिस ठाणे, मिसींग क्रमांक - 06/22 दि. 24/01/2022

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

26 जनवरी गणतंत्र दिवस क्या देश में वाकई गणतंत्र हैं?

गोरों की गुलामी से तो शहीदों ने बचाया, पर इन काले अंग्रेजों से देश को कौन बचाएगा? : राठौड़

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। हमारे देश को अंग्रेजों की दास्ताँ से मुक्त हुए अरसा गुजर गया पर लगता हैं आज भी हम गुलाम है और पाश्चात्य संस्कृति से दूर नहीं हट पाएं या यूँ कहें अभी तक उसमें पूरी तरह जकड़े हुए हैं तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी! आज देखा जाए तो देशहित में लिए जाने वाले कड़वे फैसले का भी कुछ अहितकारी विरोध करने से बाज नहीं आते हैं, हालांकि उनके विरोध करने से कुछ होने जाने वाला कुछ भी नहीं है और देश की जनता काफी हद तक होशियार और समझदार हो चुकी हैं! देश को खोखला करने वाले भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी प्रगाढ़ हो चुकी हैं कि उन्हें सुधारने और मिटाने में वक्त लगेगा! आज भ्रष्टाचारी इतने बेलगाम हो चुके हैं कि अपने ऊँचे रसूखात के चलते मीडिया और प्रशासन को दबाने में अपना पूरा दखल रखते हैं और अपनी अकूत दौलत से खरीदने की हरसंभव कुचेष्टा करते हैं! पर इन्हें मालूम नहीं कि मीडिया में हर पत्रकार जैसा ये समझ रहे हैं वैसे बिकाऊ नहीं होता हैं! ऐसा नहीं कि मीडिया इन भ्रष्टाचारियों की काली करतूतों को समय समय पर देश और दुनियाँ को दिखाता रहा है, फिर भी ये भ्रष्टाचारी मीडिया को खरीदने में हर हथकंडे अपनाते रहते हैं! हम रोज समाचार पत्रों व टीवी चैनलों पर भ्रष्टाचारियों के काले कारनामों के बारे में पढ़ते व देखते तथा सुनते हैं! मामला उजागर

होने पर जांच तो होती हैं पर फौरी तौर पर जिसमें आपसी मिलीभगत से कुछ ले देकर आसानी से बच जाते हैं! भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे नेता सत्ता में आने के लिए किस तरह छटपटा रहे हैं ये बात किसी से छिपी नहीं हैं! अब सवाल ये उठता हैं कि क्या एक अकेले व्यक्ति और मीडिया के बलबूते ही इन भ्रष्टाचारियों पर अंकुश लग पाना संभव हैं? नहीं इसके लिए हम सभी को पहल करनी होगी बल्कि आज जो काले अंग्रेज के रूप में ये नेता देश को दीमक की तरह खाए जाने के मंसूबे पाल रहे हैं उनको सही मायने में पहचान कर आप सबसे बड़े हथियार 'वोट की चोट' से आसानी से मात दे सकते हैं! ये बात भी सही है हर अच्छे काम का विरोध होता आया हैं! राष्ट्रहित में देश के लिए क्या सही और क्या गलत हैं ये आपको समझने की नितांत आवश्यकता हैं! आपको प्रण करना होगा देश के लिए चाहे कोई अपना ही गलत क्यों ना हो उसका विरोध अवश्य करें! देश में फैले भ्रष्टाचारियों की गलतियों का अंदाजा अभी हाल ही में पंजाब में हुई देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक से लगाया जा सकता हैं! देश को गोरे अंग्रेजों ने बहुत लूटा था जिससे तो हमारे देशभक्तों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर देश को बचा लिया था, मगर आज देश के लिए उन गोरे अंग्रेजों से भी घातक और खतरनाक हैं ये काले अंग्रेज जिनसे देश को बचाने की जिम्मेदारी हमारी भी बनती हैं और ये आपका अधिकार व कर्तव्य भी हैं।

'हर साख पे उल्लु बैठा हैं बरबाद गुलिस्ताँ करने को'!
'सिर्फ एक ही उल्लु काफी हैं अंजाम गुलिस्ताँ क्या होगा'!

एक रुपया रोज सेवा संस्था ने लगवाया कोविड टीकाकरण शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। एक रुपया रोज सेवा संस्था के तत्वाधान में डॉक्टर अबरार पंवार प्रदेश उपाध्यक्ष,इंडियन मेडिकल एसोसिएशन राजस्थान, के जन्मदिन के अवसर पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लेडी एलगिन विद्यालय में कोरोना टीका करण अभियान का आयोजन किया गया।जिसमें स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अलावा आमजन ने भी वैक्सीन लगवाई।संस्था संस्थापक सिकन्दर राठौड़ ने बताया कि टीकाकरण शिविर में कोविशिल्ड और कोवैक्सीन की दोनों डोज के अलावा बूस्टर डोज भी लगाई गई। शहरी प्राथमिक केंद्र अंचाबाई के डॉ अबरार पवार की टीम कोविड टीकाकरण शिविर में अपनी सेवाएं दी। विद्यार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों ने भी वैक्सीन लगवाई। कार्यक्रम में शिवांगी भारद्वाज, अंजुमन आरा कादरी, मनोज कुमार,चंचल सेन, मुमताज शेख, इकरामुदिन लौहार, उद्दीन लौहार, मुकेश स्वामी उपस्थित रहे।

पदमपुर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया, लोगों दी महत्वपूर्ण जानकारी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। राजस्थान सरकार की कोरोना गाईडलाइन का पालन करते हुए मतदाता दिवस पर मंगलवार को उपखंड परिसर मे शपथ ली गई। तहसीलदार हरीश टांक ने कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों को मतदाता दिवस के दिन शपथ दिलाई। इस अवसर पर तहसीलदार ने कहा कि 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने की जिम्मेदारी सभी की हैं। मतदान करना हमारी नागरिकता का पहला कर्तव्य है। स्टाफ द्वारा मतदाता जागरूकता से संबंधित रंगोली बनाकर जागरूक किया। इस अवसर पर नए बने मतदाताओं को राष्ट्रीय हित में मतदान का उपयोग करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम के दौरान 18 वर्ष की आयु पूरी होने वाले युवाओं को वोट बनाने के लिए प्रेरित किया। उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जरूरतमंद परिवार की कन्या की शादी में किया सहयोग

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। मानवता की भलाई का चाहे कोई भी क्षेत्र हो, उसमें मानव सेवा समिति के सेवादारों द्वारा दिन रात एक करके अपनी सराहनीय भूमिका निभाई जा रही है, इस बात को सार्थक करते हुए आज संस्था द्वारा अपने दानवीर सेवादारों के सहयोग से एक जरूरतमंद परिवार की कन्या की शादी में सहयोग किया गया है। जानकारी देते हुए संस्था के सेवादार सुभाष मानव ने बताया कि कुछ दिन पहले सीड फार्म पक्का अबोहर निवासी एक जरूरतमंद परिवार द्वारा अपनी आर्थिक तंगी के चलते अपनी बेटी की शादी में सहयोग करने के लिए संस्था के पास दरख्वास्त दी गई थी, जिस पर संस्था के प्रैस सचिव और संस्था की लंगर कमेटी के प्रधान सुभाष सेतिया की अगुवाई में सर्वे टीम उक्त जरूरतमंद परिवार के घर सर्वे करने गई, सर्वे करने पर उक्त परिवार जरूरतमंद पाया गया और सर्वे टीम ने अपनी सर्वे रिपोर्ट संस्था के सम्मुख पेश की। इस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर संस्था द्वारा अपने दानवीर सहयोगी सेवादारों गुरसेवक सिंह, स्वीटी लुथरा, विनेश सिंगला, मानव एंटरप्राइजेज, शिमला रानी और गीता गांधी के सहयोग से इस कन्या की शादी में दिए

जाने वाला समान संस्था के कार्यालय में इकट्ठा किया गया जो आज यह उक्त सारा समान संस्था के सेवादारों संजय मानव, राकेश कुमार सिंगला, दविंदर सिंह रावत, राम कुमार और सुभाष मानव की मौजूदगी में कन्या की माता के सुपुर्द किया गया और कन्या के मंगलमय जीवन के लिए परमात्मा के चरणों में अरदास की गई। समान हासिल करने पर उक्त जरूरतमंद परिवार ने संस्था का तथा दानवीर सेवादारों का आभार व्यक्त किया। संस्था द्वारा सभी दानी सज्जनों को इस पुन्य कार्य में सहयोग करने के लिए उनके मंगलमय जीवन के लिए परमात्मा के चरणों में अरदास की जाती है।

वैदिक राज्य व्यवस्था का अर्थ हैं जहाँ सभी को समान रूप से न्याय मिले : अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्त्वावधान में 'आदर्श वैदिक राज्य व्यवस्था' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 343 वां वेबिनार था।वैदिक विद्वान अतुल सहगल ने वैदिक विचारधारा के मुख्य सूत्रों को आधार बना के आदर्श राज्य व्यवस्था का अवलोकन किया। जो व्यवस्था सैद्धांतिक रूप से वेद और मनुस्मृति पर आधारित हो, वह न्याय, शांति और समृद्धि लाने वाली होगी। साथ ही हर परिस्थिति में कारगर व स्थिर रहेगी। हमें उपरोक्त ग्रंथों से सूक्त लेकर अपने देश और अन्य देशों के लिए ऐसे ही राज्य व्यवस्था के ढांचे को रचना होगा। उन्होंने युक्ति और तथ्य के साथ आदर्श राज्य व्यवस्था के इस प्रस्तावित ढांचे के महत्पूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। वर्तमान राज्य व्यवस्था की कमियों पर प्रकाश डालते हुए, उसके कई दुष्परिणामों का उल्लेख किया। इस सन्दर्भ में कुछ प्रासंगिक घटनाओं की चर्चा की और संगत उदाहरण रखे। न्याय, सत्य,स्वतंत्रता को बढ़ाने वाली वह व्यवस्था शाश्वत धर्म की आधारशिला पर ही बन सकती है। वेद मन्त्रों और मनुस्मृति के श्लोकों को सामने रखते हुए

ऐसी प्रजातंत्रिक व्यवस्था की रुपरेखा को प्रस्तुत किया और इस बात पर बल दिया कि आज की परिथितियों में ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना परमावश्यक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि वैदिक व्यवस्था का अर्थ है जहाँ सभी को समान रूप से न्याय मिले।राजा मंत्री परिषद के अंतर्गत व मंत्री परिषद के प्रजा के अधीन कार्य करती है। मुख्य अतिथि हेमराज सपरा (सिरसा) व अध्यक्ष डॉ. श्वेतकेतु शर्मा(बरेली) ने वैदिक व्यवस्था को सर्वोत्तम बताते हुए वेद, मनुस्मृति व सत्यार्थ प्रकाश के अमल में लाने पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि वैदिक मान्यताओं को अपनाने पर बल दिया। गायिका प्रवीना ठक्कर, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, कमला हंस, नरेंद्र आर्य सुमन, विजय खुल्लर, सुदेश डोगरा, रविन्द्र गुप्ता, वीरेन्द्र आहुजा आदि के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से गौर मोहन माथुर (श्रीगंगानगर), राजेश मेहंदीरत्ता, कमांडर पी सी बक्शी, उर्मिला आर्या, ईश आर्य, आस्था आर्या, रेणु घई, चंद्र देव शास्त्री आदि उपस्थित थे! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गुड़ और चना एक साथ खाने से ही मिलेंगे ये फायदे

गुड़ और चने, दोनों ही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। मगर आज हम आपको गुड़ और चने का साथ में सेवन करने के फायदे बताने जा रहे हैं। जी हां, गुड़ और चने का साथ में सेवने करने से आपको तीन गुना ज्यादा फायदे मिलते हैं। चना प्रोटीन तो गुड़ विटामिन्स मिनरल्स से भरूपर होता है, जिससे आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं। चलिए जानते हैं रोजाना 1 कटोरी गुड़ व चना खाने से आपको क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

कब खाएं?

सुबह खाली पेट इसका सेवन ज्यादा फायदेमंद होता है लेकिन आप जिम जाते हैं तो वर्कआउट से 30 मिनट पहले इसका सेवन करें। साथ ही वजन घटाने के लिए आप इसे शाम के स्नैक्स का हिस्सा भी बना सकते हैं।

गुड़ और चना एक साथ खाने के बेहतरीन फायदे...

➤एनीमिया

खून में हीमोग्लोबिन की कमी ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलता है। ऐसे में महिलाओं को अपनी डाइट में आयरन से भरपूर चीजें लेने की सलाह दी जाती है, जिसके लिए चना और गुड़ बेस्ट ऑप्शन है। साथ ही इससे शरीर में कभी खून की कमी भी नहीं होती।

➤बॉडी को मिलती है भरपूर एनर्जी

यह शरीर में आसानी से अशोषित हो जाता है, जिससे ऊर्जा का संचार होता है, जिससे थकान और कमजोरी दूर हो जाती है।

➤मजबूत मांसपेशियां

गुड़ और चने में काफी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो मांसपेशियां को मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर आप वर्कआउट करते हैं तो आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए क्योंकि इससे एनर्जी और मांसपेशियों को मजबूती दोनों मिलती है।

➤कब्ज की समसया

शरीर का डाइजेशन सिस्टम खराब होने की वजह से कब्ज और एसिडिटी की समस्या हो जाती है। ऐसे में गुड़ और भूने चने खाएं। इसमें फाइबर होता है जो पाचन शक्ति को ठीक रखता है।

➤तेज दिमाग

गुड़ और चने को मिलाकर खाने से दिमाग तेज होता है। इसमें विटामिन-बी6 होता है जो याददाश्त बढ़ाता है।

➤मजबूत दांत

इसमें फॉस्फोरस होता है जो दांतो के लिए काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से दांत मजबूत होते हैं और जल्दी नहीं टूटते।

➤मोटापा घटाए

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन तेज से कम होता है।

➤दिल की बीमारियों से बचाए

रोजाना गुड़ चने का सेवन करने से दिल से जुड़ी प्रॉब्लम्स ठीक हो जाती हैं। साथ ही इसमें पोटाशियम भी भरपूर मात्रा में होता है, जिससे आप हार्ट अटैक के खतरे से बचे रहते हैं।

➤मजबूत इम्यून सिस्टम

रोजाना नाश्ते में या दोपहर के खाने से पहले 50 ग्राम भुने हुए चने खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे आप कई बैक्टीरियल व वायरल इंफेक्शन के खतरे से बचे रहते हैं।

➤पेशाब संबंधी रोग से छुटकारा

जिनको बार-बार पेशाब आने की समस्या हो उन्हें रोजाना गुड़ के साथ चने का सेवन करना चाहिए। इससे कुछ ही दिनों में आराम मिल जाएगा।

➤डायबिटीज में फायदेमंद

यह शरीर में ग्लूकोज की मात्रा को सोख लेते है, जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। साथ ही गुड़ में नेचुरल शुगर होता है, जो डायबिटीज पेशेंट को नुकसान नहीं पहुंचाती। यही कारण है कि डायबिटीक में इसका सेवन फायदेमंद है।

➤खूबसूरती निखारे

इसमें जिंक अधिक मात्रा में

तेल या शैंपू से नहीं, चिया सीड्स से 2 हफ्ते में लंबे व मजबूत होंगे बाल

बाल छोटे हो या लंबे उनका ख्याल रखना कोई आसान काम नहीं है। बदलते लाइफस्टाइल के कारण सबसे ज्यादा असर बालों में ही देखा जा रहा है। बाल या तो झड़ना शुरू हो जाते है या समय से पहले सफेद होने लगते है। ऐसे में आज मजबूत और शाइनी बालों के लिए चिया सीड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। चलिए अब हम आपको चिया सीड्स के बारे में बताते हैं, जिससे ना सिर्फ आपके झड़ते बालों की समस्या दूर होगा बल्कि इससे आपको शाइनी बाल भी मिलेंगे।चलिए आपको चिया सीड्स के फायदे से साझा करते है।

चिया के बीज की एक कण में

- फाइबरः 11 ग्राम
- प्रोटीनः 4 ग्राम
- वसाः 9 ग्राम (जिनमें से 5 ओमेगा -3 एस हैं)
- कैल्शियमः18%
- मैंगनीजः 30%
- मैग्नीशियमः30%
- फास्फोरसः27%

इसमें जिंक, विटामिन बी 3 (नियासिन), पोटेशियम, विटामिन बी 1 (थायमिन) और विटामिन बी 2 की भी अच्छी मात्रा होती है।

फायदे -

बालों की ग्रोथ में करता है मदद

बाल केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते है। यही वजह है कि हमारे बालों को प्रोटीन की भारी मात्रा में जरुरत होती है। चिया सीड्स में पर्याप्त प्रोटीन बालों को पोषण देता है। इससे बालों का मसाज करने से जड़े मजबूत होती है और बाल तेज गति से बढ़ना शुरू कर देते है। आप इसे पानी या नारियल तेल और दूध में भिगोकर अपने स्कैल्प पर हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें।

बाल को सफेद होने से रोकता है

प्रदूषण या पोषण की कमी से हमारे बाल समय से पहले सफेद होने लगते है। चिया सीड्स में जिंक होता है जो बालों को उनके कुदरती तरीके से बढ़ने और सफेद बालों के आने से रोकने में मदद करता है।

बालों का झड़ना हो जायगा बंद

चिया सीड्स में एमिनो एसिड्स पाए जाते है जो प्रोटीन बनाने के काम आते है। इनमें पर्याप्त जिंक , पोटैशियम और मैग्नीशियम बालों की जड़ो को मजबूत करता है। यह हर रोम से गंदगी साफ करता है। जिससे बालों का झड़ना रुक जाता है।

बाल होते है शाइनी

बालों में तेल की कमी होने के कारण बालों की चमक कम हो जाती है। स्कैल्प पर तेल के बनाए रखने के लिए चिया सीड्स सबसे ज्यादा फायदेमंद रहते है।

पोषण में करता है मदद

इसमें बहुत सारे तत्त्व होते है जो बालों को पोषण देता है। इसमें पर्याप्त कैल्शियम बालों की जड़ो को मजबूत करता है।

हर स्किन के लिए बेस्ट हैं मुल्तानी मिट्टी, यूं बनाएं घर पर ही स्पैशल पैक

चेहरे को गोरा और चमकदार बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी काफी मददगार सिद्ध होती है। मुल्तानी मिट्टी स्किन को क्लीन कर मिनटों में शाइनिंग देती है। मुल्तानी मिट्टी की एक खासियत है कि इसे हर तरह की त्वचा पर इस्तेमाल किया जा सकता है, मगर अलग-अलग तरीकों से। तो चलिए जानते हैं कौन सी त्वचा के लिए कौन सा मुल्तानी फेस पैक ठीक रहेगा।

● ऑयली फेस

ऑयली त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में रोज वॉटर मिक्स करके लगाएं। इससे त्वचा का स्रल लेवल बैलेंस रहेगा। ऑयली त्वचा ज्यादातर डार्क दिखती हैं। हफ्ते में 2 बार ऑयली त्वचा वाले लोग इस फेस पैक का इस्तेमाल जरुर करें। त्वचा पर मौजूद एक्सट्रा ऑयल मिनटों में हट जाएगा जिससे आपकी त्वचा निखरी और चमकदार दिखेगी।

● कोमल त्वचा

कोमल त्वचा के लिए कच्चे दूध में मुल्तानी मिट्टी चेहरे पर लगाना फायदेमंद रहेगा। मुल्तानी मिट्टी सूखने के बाद फेस को स्ट्रेच कर देती है। जिससे कोमल त्वचा को हानि पहुंच सकती है। ऐसे में कोमल त्वचा वाले हफ्ते में केवल एक बार कच्चे दूध में मिक्स मुल्तानी मिट्टी का लेप चेहरे पर लगाएं।

● ड्राई फेस

ड्राई फेस वाले मुल्तानी मिट्टी छाछ, शहद और मलाई मिक्स करके लगाएं। इससे मुल्तानी मिट्टी की ड्राइनेस उनकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाएगी। बल्कि चेहरे को पोषण देकर ड्राईनेस को कम करेगी।

● पिंपल्स

जिन लोगों के चेहरे पर बहुत ज्यादा मुंहासे होते हैं उन्हें मुल्तानी मिट्टी को रोज वॉटर या फिर टमाटर के रस में मिक्स करके लगाना चाहिए। टमाटर का रस एक मुल्तानी मिट्टी के पैक को ड्राई होने से रोकेगा साथ ही पिंपल्स को भी कम करेगा।

● नार्मल त्वचा

नार्मल त्वचा वाले लोग मुल्तानी मिट्टी को खीरे के रस और शहद के साथ मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी के साथ आप चंदन पाउडर भी मिक्स कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच लेगा उजागर

26th JANUARY

REPUBLIC DAY

डॉ सोहेल खंड़वानी
(ट्रस्टी हाजी अली– महिम दरगाह)
मुख्य मार्गदर्शक मुस्लिम सेवा संघ
संरक्षक (एबीपीएसएस)

जिग्नेश भाई कलावाड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष (एबीपीएसएस)

दिलशाद एस. खान
संपादक – दै. मुंबई हलचल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश प्रताप सिंह परिहार
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)

अब्दुल महफूज खान
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)

रत्नाकर त्रिपाठी
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)

सरोज जोशी
राष्ट्रीय सचिव (एबीपीएसएस)

मनमोहन सिंह
स्टेट प्रेसिडेंट राजस्थान (एबीपीएसएस)

इनायत खान पठान
वरिष्ठ पत्रकार (गुजरात)

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती

देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो